an>

Title: Need for a special package to provide drinking water in Rajasthan.

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले आपको बोलने का अवसर देने के लिए धन्यवाद। मैं राजस्थान की पीने के पानी की समस्या के बारे में निवेदन करना चाहता हूं। Two thirds land of Rajasthan is getting only 15 cm to 20 cm of rainfall a year और इस कारण से अधिकतर इलाके में अकाल की स्थिति रहती है, वर्षा कम होती है और पीने के पानी की समस्या रहती है। इसके निदान के लिए हमारी मुख्यमंत्री महोदया ने दो उपचार किये हैं। एक उन्होंने अभी मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना प्रारम्भ की है, जिसमें लोगों का सहयोग लेकर उसे आम अभियान के रूप में चला रही हैं और ट्रेडीशनल सोर्सेज़ को सही करने का कार्य कर रही हैं। यह उसका एक भाग है।

Secondly, on 4th June 2014, she wrote a DO letter to the Union Minister of Rural Development and Drinking Water और उनसे अनुरोध किया था कि राजस्थान की योजनाओं को कम्पलीट करने के लिए, राजस्थान में पेयजल समस्या के निदान के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इस पर सात जुलाई को मुख्यमंत्री जी की मंत्री महोदय के साथ में एक बैठक हुई और उस बैठक के अन्दर यह निर्णय हुआ कि राजस्थान में वास्तव में पीने के पानी की समस्या है और इसमें स्पेशल पैकेज की भी आवश्यकता है। रूटीन में एन.आर.डी.यू.पी. का जो पैसा जा रहा है, यानि नेशनल रूरल ड्रिंकिंग वाटर प्रोग्राम का जो पैसा जा रहा है, उसके अलावा 72750 हजार करोड़ रुपये दस साल में देने का निर्णय हुआ कि रूटीन के अलावा हर साल जो पैसा है, अर्थात् 7275 करोड़ रुपये सालाना देने का निर्णय हुआ, लेकिन दुर्भाग्यवश अभी तक एक भी पैसा राजस्थान सरकार को नहीं दिया गया।

माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके मार्फत माननीय ग्रामीण विकास मंत्री जी और पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा और माननीय प्रधान मंत्री जी से भी यह निवेदन करना चाहूंगा कि वास्तव में इस वर्ष बारिश की बहुत कमी है। वर्षा कम होने के कारण अभी से ही पेयजल की कमी है। विशेषकर, वहां का पानी फ्लोराइडयुक्त है। मैं उस जिले से आता हूं। इसलिए निवेदन है कि वहां दस सालों के लिए स्पेशल पैकेज के तहत जो पैसे देने का वायदा किया गया था, वह देने का कष्ट करें।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Gajendra Singh Shekhawat,

Shri Ramcharan Bohra,

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Shri P.P. Chaudhary are permitted to associate with the issue raised by Shri C. R. Chaudhary.